केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो० 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो० 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 186 गुरूवार 30 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सड़क पर पड़ी मिली ढाबा मालिक की लाश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। संदिग्ध परिस्थितियों में एक ढाबा मालिक की लाश सड़क पर पाई गई है। लाश के पास ही ढाबा मालिक की बाइक भी गिरी मिली है। बाइक की डिक्की से पका हुआ चिकेन मिला है। ढाबा मालिक की लाश जहां मिली है उस जगह से दो सौ मीटर की दूरी पर ही देशी शराब की भट्ठी है। ढाबा मालिक की चप्पल चखना की एक दुकान पर मिली है। घटना बस्ती के छावनी थानाक्षेत्र की है। ढाबा मालिक की लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मलौली गोसाई गांव के पास देशी शराब की भट्ठी से करीब 200 मीटर की दूरी पर उनकी लाश पड़ी मिली। घटनास्थल पर बाइक भी मिली है। मृतक की चप्पल चखना की दुकान के पास मिली है। डिक्की में मुर्गा रखा मिला है। मौके पर पुलिस संग पहुंची फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। थानाध्यक्ष छावनी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि मृतक के शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। छानबीन की जा रही है।

इसी थानाक्षेत्र के मझौवा दूबे निवासी शोभाराम वर्मा (उम्र 33 वर्ष) पुत्र हनुमान वर्मा फोरलेन पर रमहटिया में चौधरी लाइन ढाबा चलाते थे। साथ ही वह प्रॉपर्टी का काम भी करते थे। फोरलेन से मझौवा दूबे जाने वाले मार्ग पर मलौली गोसाई के पास बुधवार की सुबह उनका शव पड़ा मिला और पास ही में उनकी बाइक पड़ी थी। जिस रास्ते पर शोभाराम का शव मिला है, उससे काफी लोगों का आना जाना रहता है। इसके बावजूद रात में किसी की नजर नहीं पड़ी और बुधवार की सुबह लाश मिलने पर लोग संदेह जता रहे हैं। छावनी पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

मौनी अमावस्या पर उमड़ी आस्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने सरयू सहित अन्य नदियों में स्नान कर पूजा अर्चन किया। बुधवार की भोर से ही लोग कलवरी–टांडा नदी के तट पर पहुंचकर सरयू में स्नान किए। बुधवार की भोर से ही नदी के किनारे महिलाएं, पुरुष और बच्चों की भीड़ रही। स्नान करने के बाद नदी के किनारे श्रद्धालुओं ने अन्न और गोदान किया। विधि–विधाान से पूजा–अर्चन किया। जिले में सभी नदियों से ज्यादा कलवारी से टांडा सरयू नदी के किनारे श्रद्धालुओं की भीड़ दिखाई दी। यहां पर मौनी अमावस्या को मेले जैसा माहौल रहा। जनपद के आसपास के नदियों में भी बुधवार को श्रद्धालुओं ने भोर में स्नान कर पूजा अर्चन और दान किया। जिले के कलवरी, मखौड़ा धाम, मनोरमा, कुआनों नदी में श्रद्धालुओं ने स्नान कर पूजन अर्चन किया। जो श्रद्धालु नदियों तक नहीं पहुंच सके वे अपने घर में गंगा जल डालकर स्नान करने के बाद आस–पास के मंदिरों में पहुंचकर पूजा अर्चन किए और दान किया। दक्षिणा के साथ ही लोगों ने चावल, उड़द का दाल, सब्जी, नमक छूकर के ब्राह्मण व मंदिर के पुजारी को दान दिया।

महाकुंभ के भगदड़ में तीस लोगों के मौत की प्रशासन ने किया पुष्टि, 90 से अधिक घायल

प्रयागराज (आभा)। महाकुंभ में भगदड़ में मरने वालों का आधिकारिक आंकड़ा घटना के करीब 20 घंटे बाद प्रशासन ने जारी कर दिया। प्रशासन के अनुसार इस हादसे में 30 लोगों की मौत हुई है। इनमें 25 की शिनाख्त हो गई है। 90 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इन्हें शहर के अलग अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। 36 लोगों का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। सीएम योगी ने सभी का सरकारी खर्च पर इलाज का आदेश दिया है। कई लोगों के परिवार में एक से ज्यादा की मौत हो गई है। कुंभ नगर के डीआईजी वैभव कृष्णन ने बताया कि भारी भीड़ के कारण बैरिकेड टूट गया। इसी वजह से मची भगदड़ में लोगों की मौत हुई है। अखाड़ा मार्ग पर रात डेढ़ बजे के आसपास

भारी भीड़ का दबाव बन गया था। इसी वजह से बैरिकेडिंग टूट गई और अंदर घुसी भीड़ ने स्नान का इंतजार कर रहे लोगों को कुचलना शुरू कर दिया।

प्रयागराज सेवा समिति के संयोजक तीर्थराज पाण्डेय बच्चा भैया के नेतृत्व में संगम और कुंभ मेला क्षेत्र में तुलसी मार्ग पर शिविर चलाया जा रहा है। उसके सदस्यों और श्रद्धालुओं ने आंखों देखा हाल बताते हुए कहा है कि संगम पर रात 2 बजे अमृत स्नान के योग के कारण अधिकांश श्रद्धालु वहां पर जमे थे। श्रद्धालु जहां सो रहे थे, उसी के बगल की बैरिकेडिंग टूट गई और श्रद्धालु संगम की ओर दौड़ पड़े। इसके कारण सोए हुए श्रद्धालुओं को उठने का मौका भी नहीं मिला। सब कुचलते चले गए।

तीर्थराज पाण्डेय बच्चा भैया, नगर निगम जोन 4 की कक्ष अध्यक्ष, भाजपा पार्षद अनुपमा पाण्डेय, उनकी बहन निरुपमा, सोनू त्रिपाठी अनिल पाण्डेय ने दो बार भीड़ का रौद्र रूप और मौत को नजदीक से देखा। सभी को 18 नंबर पुल से जाने को कहा गया जो छोटा बखड़ा की ओर निकलता है। बीच में निकासी का कोई मार्ग न बनने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पडा।

कैदियों, जरूरतमंदों में कम्बल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को पूर्वांचल सिक्ख वेलफेयर सोसाइटी के प्रदेश संयोजक सरदार जगबीर सिंह के संयोजन में जिला कारागार के लगभग 100 कैदियों और जरूरमंद लोगों में कम्बल का वितरण किया गया।

सरदार जगबीर सिह ने जिला कारागार में कम्बल वितरण हेतु वरिष्ठ अधीक्षक सुश्री अंकैक्षिता श्रीवास्तव को कम्बल वितरण हेतु सौपा। अंकक्षिता श्रीवास्तव ने कहा संस्था द्वारा यह पहल सराहनीय है। इस मौके पर जेलर रामनाथ सिंह, डिप्टी जेलर रोशन आरा, पूर्व जेल विजिटर सरदार राजेन्द्र सिंह 'काका', संयोजक चित्रांश क्लब राजेश श्रीवास्तव , अमृत पाल सिंह 'सनम', अखिलेश शुक्ला, किशोरी लाल, दिनेश श्रीवास्तव, राम बिलाल गुप्ता , पी.के. शुक्ला, रामबिलास गुप्ता मनमीत सिहं 'सैमुवल' अदि ने योगदान दिया।

संदिग्ध रूप से जली महिला की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुबौलिया थानाक्षेत्र के मरौटी पांडेय गांव में 21 दिसम्बर 2024 को संदिग्ध हाल में झुलसी महिला ने एक माह बाद दम तोड़ दिया। उसका इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा था।

दुबौलिया थानाक्षेत्र के मरौटी पांडेय निवासी तुलसी राम की पत्नी सुनीता (40) अपने घर में 21 दिसंबर को झुलस गई थी। महिला के भाई सत्यनारायण ने ससुरालियों पर डीजल छिड़क कर जलाने का आरोप लगाया था। दुबौलिया पुलिस ने भाई की तहरीर पर सास– ससुर, पति, देवर, देवरानी, ननद के खिलाफ दहेज उत्पीड़न व हत्या का केस दर्ज किया था।

महाकुंभ में मौतों के बाद कई ट्रेने रद्द

प्रयागराज (आभा)। महाकुंभ मेले में भगदड़ के बाद भारतीय रेलवे ने विभिन्न स्थानों से प्रयागराज जाने वाली कई ट्रेनों को रद्द कर दिया है। इसी कड़ी में बिहार से प्रयागराज जाने वाली स्पेशल ट्रेनों को भी अगले आदेश तक रद्द रखने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा कई ट्रेनों को प्रयागराज से डाइवर्ट भी किया जा रहा है। रेलवे के इस फैसले का असर बिहार की लगभग 39 ट्रेनों पर पड़ा है।

इधर रेलवे के वॉर रूम में महाप्रबंधक खुद वस्तुस्थिति की निगरानी कर रहे हैं। दानापुर रेलवे कंट्रोल के भी वरीय अफसरों की ड्यूटी लगा दी गई है। बताया जा रहा है कि अगले तीन दिन के लिए ट्रेनों का रूट चार्ट भी बनाया जा रहा है। बता दें कि महाकुंभ में जाने वाले यात्रियों की भीड़ पटना स्टेशन समेत बिहार के कुछ अन्य स्टेशनों पर भी नजर आई थी।

शिविर में 25 ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को पचपेडिया रोड स्थित चोला मण्डलम कार्यालय पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 25 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर संयोजक अखिलेश चतुर्वेदी ने कहा कि रक्तदान के द्वारा हम दूसरों की जान बचाने का माध्यम बनते हैं और इससे रक्तदाता को कोई नुकसान भी नहीं होता।

यह जानकारी देते हुये बस्ती चैरिटेबल ब्लड बैंक के विजय सिंह ने बताया कि शिविर में कमलेश पाण्डेय, राजीव प्रताप सिंह, अविनाश त्रिपाठी, विशाल पाण्डेय, सत्येन्द्र चौधरी, राहुल पाल, अरूण पाल, प्रमोद मिश्र, विवेक सिंह, अखिलेश चतुर्वेदी, अंकित राज, हिमांशु सिंह, अनुज सिंह, आशुतोष पाण्डेय, योगेश पाण्डेय, विनय तिवारी, कुमार राहुल, धर्मेन्द्र पाण्डेय के साथ ही कुल 25 लोगों ने रक्तदान किया।

अधिवक्ता हत्या मामले में बहनोई भांजा गिरफ्तार, तीन की तलाश जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अपहरण के बाद अधिवक्ता की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके बहनोई समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपियों ने पुलिस को पूछताछ में चौंकाने वाली बात बताई है।

पुलिस के पूछताछ में गिरफ्तार दोनों आरोपी ने अपने ऊपर लगे आरोप को स्वीकार करते हुए हत्या का कारण चौकाने वाला बताया है। तीन आरोपी अभी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। पुलिस उन्हें गिरफ्तार नहीं कर पाई है। इसको लेकर अधिवक्ताओं में पुलिस के प्रति नाराजगी है।

जिले के कप्तानगंज थाना के गांव बैदोलिया अजायब गांव के रहने वाले अधिवक्ता चंद्रशेखर यादव पुत्र कृष्ण चंद्र यादव का स्कॉर्पियो कार से अपहरण करके हत्या कर दी गई थी। घायल अवस्था में अधिवक्ता को पेट्रोल पंप के पास फेंक दिया गया था। पुलिस ने अधिवक्ता को इलाज के लिए तत्काल अस्पताल पहुंचाया था। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया था। मामले में मृतक की पत्नी उमा देवी ने हरैया पुलिस में विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। अधिवक्ता चंद्रशेखर यादव के हत्यारोपी अधिवक्ता का बहनोई रणजीत तथा उसके चचेरे भाई को विनय को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां पर दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक कार भी बरामद की है। पुलिस टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। मगर, संदीप और उसके अन्य साथियों को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर पाई। घटना में प्रयोग की गई स्कार्पियो भी पुलिस बरामद नहीं कर पाई है। वह गाड़ी भी रणजीत के नाम से बताई जा रही है।

पुलिस के पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मृतक अधिवक्ता चंद्रशेखर यादव रिश्तेदार थे। लेकिन उनके अंदर विरोधी का भाव था। लगातार उनके द्वारा विरोध किया जाता था। एक के बाद एक कई मुकदमे लगवा दिया। वह हमारे विपक्षियों की मदद करते थे। उन्होंने जमीन कुर्क करवा दिया था। इसलिए अपने सहयोगियों के साथ मिलकर अधिवक्ता चंद्रशेखर यादव का अपहरण करके हत्या कर दी थी।

एसपी ने बताया कि अपहरण करने के दौरान इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो कार आरोपी रणजीत यादव की है। रणजीत यादव मृतक अधिवक्ता चंद्रशेखर यादव के सगे बहनोई है। जबकि आरोपी सोहित रणजीत के मामा का लड़का है। पुलिस अधीक्षक में आगे बताया कि घटना में तीन अन्य आरोपी का नाम प्रकाश में आया है। जिनकी तलाश थी जा रही है। वही घटना में शामिल अन्य आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। दोनों आरोपी जिस कार सवार होकर अयोध्या के तरफ भाग रहे थे। उस कार को कब्जे में लेकर सीज कर दिया गया है।

डीएम ने किया ओपेक चिकित्सालय कैली में चल रहे निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने जनपद के स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय से सम्बद्ध ओपेक चिकित्सालय कैली में नव निर्मित 200 बेड चिकित्सालय में गैस पाइप लाइन, मॉड्यूलर आपरेशन थियेटर, सेमी मॉड्यूलर आपरेशन थियेटर एच०बी०ए०सी०, वी०आर०वी० एवं डक्टेबल सिस्टम का शासन के निर्देश के क्रम में औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण उन्होंने पाया कि मॉड्यूलर आपरेशन थियेटर व सेमी मॉड्यूलर का निर्माण का कार्य प्रगति पर था, किन्तु मौके पर निर्माण कार्य नहीं चल रहा था। निर्माण कार्य पूर्ण करने के बारे में पूछने पर बताया गया कि माह दिसम्बर, 2024 तक कार्य पूर्ण किया जाना था, लेकिन अभी तक पूरा बजट प्राप्त नहीं हो पाया है। प्रधानाचार्य, कैली द्वारा बताया गया कि ग्राउन्ड व प्रथम तल की ओ०टी० चल रही है। अभी 09 ओ०टी० नहीं चल रही है। परियोजना प्रबन्धक द्वारा बताया गया कि एक व दो दिवस के अन्दर पेन्ट व पुट्टी का कार्य कराया जायेगा। गैस व ए०सी०

का कार्य किया गया है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि अलग–अलग टीमें लगाकर यथाशीघ्र पेन्ट व पुट्टी का कार्य पूर्ण करवायें। परियोजना प्रबन्धक, यू० पी०पी०सी० एल०, से शाम तक पूरे कार्ययोजना का विवरण मांगा गया

जिलाधिकारी ने के महर्षि वशिष्ठ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, में नर्सिंग कालेज के स्थापना कार्य को देखा। निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था यू०पी० स्टेट कांस्ट्रक्शन एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट कॉरपोरशन लि०, बस्ती द्वारा कराया जा रहा है। परियोजना के निर्माण हेतु 60 प्रतिशत धनराशि केन्द्रांश से व 40 प्रतिशत राज्यांश से प्राप्त होनी है। जिलाधिकारी ने निरीक्षण में पाया कि मुख्य भवन जी1 शटरिंग का कार्य व नर्सिंग हॉस्टल जी 3 चिनाई का कार्य प्रगति पर था। सहायक अभिन्ता द्वारा बताया गया कि केन्द्रांश से रू0–2.00– करोड धनराशि प्राप्त हुई थी, जिसके सापेक्ष निर्माण किया गया है। धनराशि की मांग की गयी है, अभी प्राप्त नहीं हुई है। मौके पर उपस्थित प्रधानाचार्य, कैली द्वारा बताया गया कि राज्यांश से रू0–1.33/– करोड़ धनराशि प्राप्त हो गयी है एक व दो दिवस में कार्यदायी संस्था को प्राप्त हो जायेगी। निर्माण कार्य में गैलेन्ट सरिया लगायी जा रही है। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये कि धनराशि की मंगाकर निर्माण कार्य अविलम्ब पूर्ण करवायें।

महाकुंभ में मची भगदड़ को लेकर आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू:अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्रपुरी ने उठाये सवाल

प्रयागराज (आभा)। महाकुंभ में मची भगदड़ को लेकर अब आरोप प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी ने भगदड़ के लिए विपक्षी दलों पर साजिश रचने की आशंका जैसा गंभीर आरोप लगा दिया है। उन्होंने सरकार से इस साजिश की जांच तक की मांग कर दी है। रविंद्र पुरी शाही स्नान के बाद शिविर में लौटते समय मीडिया से बात कर रहे थे। रविंद्र गिरि के आरोपों से ठीक पहले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महाकुंभ को सेना के हवाले करने की मांग करते हुए सीएम योगी से इस्तीफा तक मांग लिया था। माना जा रहा है कि रविंद्र गिरि का इशारा अखिलेश यादव की ही तरफ था। उन्होंने महाकुंभ के लिए एक बार फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जमकर तारीफ भी की।

रविंद्र पुरी ने कहा कि महात्मा, नागा, संन्यासी सभी ने स्नान कर लिया है। स्नान करना बहुत मुश्किल हो गया था। मुख्यमंत्री जी ने अपने हाथों में पूरी कमान ली। इसके बाद यहां पर व्यवस्था इतनी तेजी से दुरुस्त हो गईं। सुबह की बजाए शाम में स्नान के सवाल पर कहा कि कोई बात नहीं है। सुबह हो या शाम हो, अमावस्या का स्नान है। रात का स्नान बहुत अच्छा स्नान है।

मुख्यमंत्री और मेला प्रशासन के सहयोग से स्नान बहुत बढ़िया हुआ है। अखिलेश यादव के महाकुंभ का प्रबंधन सेना को सौंपने की मांग पर रविंद्र पुरी ने कहा कि मैं समझता हूं कि यह विपक्ष की ही कोई साजिश होगी। यह जांच का विषय है कि कहीं विपक्ष ने ही कुछ ऐसा तो नहीं किया।

रविंद्र पुरी ने कहा कि जब से मेला शुरू हुआ विपक्ष लगातार हमारे पीछे लगा हुआ था। उनका कहना था कि यह भूमि उनकी है। उनका कहना था कि गंगा में स्नान करना पाप होता है। गंगा में स्नान करना बीमारियों का काम है। ऐसे में मुझे शंका होती है कि कहीं विपक्ष वाले ही तो इस पूरी घटना के पीछे नहीं हैं।इससे पहले रविंद्र पुरी समेत सभी 13 अखाड़ों के नागा साधु और संन्यासियों ने दोपहर बाद शाही स्नान शुरू किया। भगदड़ और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण प्रशासन की अपील और सीएम योगी से बातचीत के बाद अखाड़ों ने शाही स्नान सुबह की बजाए शाम में करने पर फैसला लिया।

महाकुंभ में मौतों को लेकर कांग्रेस ने किया प्रार्थना सभा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महाकुंभ में मची भगदड़ से हुई मौतों से आहत कांग्रेसियों ने कुआनो नदी के अमहट घाट पर प्रार्थना सभा की। मृतकों व घायलों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुये जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' ने कहा महाकुंभ की घटना हृदयविदारक है। अनके परिवारों ने स्वजनों को खोया है। ईश्वर उन्हे दुख की इस घड़ी में साहस प्रदान करें जिससे वे अवसाद से बाहर आ पायें।

उन्होने महाकुंभ की घटना को अव्यवस्था का परिणाम बताया। इसके लिये शासन प्रशासन जिम्मेदार है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा यह राजनीति का विषय नही है। लेकिन जब भी चर्चा होगी ये सामने आयेगा कि महाकुंभ के आयोजन में शुरू से ही वीआईपी की जी हुजरी की जा रही है। आम जन की बुनियादी जरूरतों का ध्यान नही रखा गया। जनता के पैसे से इतना बड़ा आयोजन किया गया और जनता के लिये शौचालय, यूरिनल, टेंट और सुरक्षा के इंतजाम नही किये गये। उन्होने घटना में घायल हुये श्रद्धालुओं के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा इतनी बड़ी संख्या में किसी स्थान पर लोगों के आने का आवाह्न करने से पहले मुकम्मल इंतजाम होना चाहिये। सूचना व सुरक्षा तंत्र मजबूत होना चाहिये।

भीड़ को जहां बैरिकेड किया जाना चाहिये वहां न करके अचानक श्रद्धालुओं को रोक दिया जाता था, तो भीड़ का दबाव बनना स्वाभाविक है। निश्चित रूप से महाकुंभ का सूचना तृत्र और सुरक्षा तजाम तथा क्राउड कन्ट्रोल की व्यवस्था पर्याप्त नही थी जिसकी कीमत श्रद्धालुओं को जान देकर चुकानी पड़ी। निकट भविष्य में इतनी बड़ी संख्या में भीड़ का आवाह्न करने से पहले हर विन्दु पर सोचना होगा। उन्होने मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। कांग्रेस की प्रार्थना सभा में प्रमुख रूप से मो. रफीक खां, अलीम अख्तर, जयंत चौधरी, शिवविभूति मिश्रा, अमित प्रताप सिंह, गुड्डू सोनकर, संदीप श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, सुनील कुमार पाण्डेय, मो. अकरम, आनंद निषाद, बबलू, शौकत अली नन्हू, शमशाद आलम, ओमप्रकाश पाण्डेय, एडवोकेट आशुतोष पाण्डेय, करीम अहमद, बबलू गुप्ता, रवीन्द्र कुमार विंद्रा चौधरी, अब्दुल रउफ आदि मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 30 जनवरी 2025 गुरूवार

सम्पादकीय

महाकुंभ में मौतें, भगदड़ और तंत्र

मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान भगदड़ में 30 लोगों की मौत और सैकड़ों के घायल होने की घटना ने निर्विघ्न कुंभ के आयोजन के दावे को धराशायी कर दिया है। अभी तक प्रशासन की ओर से कोई स्पष्ट जानकारी नही दी गई है कि कितनी मौतें हुई, कितने घायल हैं। कुंभ में भगदड और मौतों की घटना कोई नया नहीं है। अच्छा हो कि सरकार स्थिति स्पष्ट करे। पहले से ही यह आशंका जतायी जा रही थी कि जिस प्रकार से प्रयागराज में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं उसमें कोई अनहोनी हो सकती है। महाकुंभ में पहले से ही विशिष्ट जनों को विशेष अवसर देने को लेकर प्रबन्धन की आलोचना हो रही थी। अब जरूरत है कि सरकार चेते और भविष्य में और कोई अनहोनी न होने पाये। मृतकों के शव उनके परिजनों को देने के साथ ही उन्हें आर्थिक सहायता भी उपलब्ध करायी जाय।

संगम नगरी प्रयागराज में 13 जनवरी को शुरू हुआ महाकुंभ मेला ठीकठाक संचालित हो रहा था, लेकिन 28 जनवरी की रात भगदड़ मच गई। घटना में कुछ श्रद्धालुओं के स्वर्गवासी होने जबकि कुछ के घायल होने की खबर है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धालुओं के साथ–साथ संतों–महंतों से भी अपील की है कि वो अफवाहों पर ध्यान न दें। मुख्यमंत्री ने कहा है कि श्रद्धालु संगम नोज पर ही स्नान करने की जिद्द न पालें ताकि किसी तरह की दुर्घटना की आशंका पैदा नहीं हो। उधर, प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव ने मेले में कुप्रबंधन का आरोप लगाया है। वहीं, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी बदइंतजामी को ही भगदड़ के लिए जिम्मेदारी ठहराया है। आइए जानते हैं कि महाकुंभ में मेले को व्यवस्थित रखने के लिए किस तरह का प्रबंधन किया गया है।

सबसे ज्यादा भीड़ 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन होने की बात सबको पता थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कहा था कि करीब 6 करोड़ श्रद्धालु मौनी अमावस्या के दिन महाकुंभ मेले में शामिल हो सकते हैं, लेकिन सरकार ने 10 करोड़ लोगों के प्रबंधन की व्यवस्था की है। अनुमान के मुताबिक, मौनी अमावस्या के दिन देश–दुनिया के कोने–कोने से श्रद्धालु महाकुंभ में पवित्र स्नान के लिए प्रयागराज पहुंचे। भारी भीड़ के कारण बुधवार की रात ही स्नान होने लगा। प्रयागराज में जिस जगह गंगा–यमुना और विलुप्त सरस्वती नदी का संगम हुआ है, वहीं साधु–संत स्नान करते हैं। इस वजह से इसे प्रयागराज का पवित्रतम घाट माना जाता है। इसी घाट पर स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और रात करीब डेढ़ बजे संगम नोज पर भगदड़ मच गई। अब सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपील की कि श्रद्धालु जिस घाट पर जगह मिले, उधर ही जाएं ना कि किसी एक घाट पर ही स्नान करने की होड़ में जुट जाएं।

प्रयाराज महाकुंभ के लिए करीब हेक्टेयर में मेला क्षेत्र बनाया गया है। मौनी अमावस्या को भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाकर ही नदी किनारों पर जगह बढ़ाई गई थी ताकि हर घंटे दो लाख श्रद्धालु स्नान कर सकें। पहले यह क्षमता 50 हजार श्रद्धालुओं की ही थी। भीड़ इतनी ज्यादा आई कि सुबह तक ही तीन करोड़ श्रद्धालुओं ने महाकुंभ में स्नान कर लिया।उत्तर प्रदेश सरकार ने महाकुंभ मेला परिसर को राज्य का 76वां जिला ही घोषित कर दिया। करीब 4,000 हेक्टेयर क्षेत्र में बसे महाकुंभ नगरी को 25 सेक्टर में बांटा गया है। इनमें 56 थाने और 144 चौकियां बनाई गई हैं और सुरक्षा बलों के करीब 40 हजार जवान तैनात हैं। हर थाने में साइबर डेस्क है। इतना ही नहीं, दो साइबर थाने भी अलग से बनाए गए हैं। महाकुंभ के एसएसपी राजेश द्विवेदी ने बताया था, 'सिविल पुलिस, पीएसी, एनएसजी, एसटीएफ, होमगार्ड, डिफेंस और एनजीओ को मिलाकर मेले में 50 हजार से ज्यादा लोग सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे।' महाकुंभ सात स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था है जिनमें एनएसजी कमांडो और यूपी पुलिस के जवानों की तैनाती है। इसके बावजूद सुरक्षा तंत्र विफल हो गया।

सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मेले में एआई युक्त कैमरे लगे हैं जो लोगों की गिनती करते हैं। अगर किसी इलाके में 2 हजार लोगों के खड़े होने की जगह है तो 1,800 लोग होते ही संबंधित अफसर को जानकारी हो जाएगी। इसके अलावा, 100 फेस रिकग्निशन कैमरे लगाए गए हैं। पुलिस रिकॉर्ड में पहले से संदिग्धों को आसानी से चिह्नित किया जा सकेगा। 2,700 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहीं, ड्रोन से पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी हो रही है। पानी के अंदर की सुरक्षा के लिए पहली बार नदी के अंदर 8 किलोमीटर तक डीप बैरिकेडिंग की गई , मेले में अगर कोई खो जाए तो मदद के लिए हाईटेक 10 खोया–पाया केंद्र हैं। इतनी व्यवस्था के बाद घटना का घटित होना चिन्ताजनक है।

मेला क्षेत्र में लगभग 1.50 लाख टेंट, तीन हजार रसोई, 1.45 लाख शौचालय, 300 मोबाइल शौचालय और 100 से अधिक पार्किंग स्थल बने हैं। इनके अलावा, प्रयागराज के बुनियादी ढांचे के विकास और सौंदर्यीकरण में लगभग 7,000 करोड़ रुपये खर्च किया गया है। 14 रोड ओवर ब्रिज और रोड अंडर ब्रिज के साथ–साथ 61 सड़कें बनाई गई हैं। इनके अलावा, 40 चौराहों का सौंदर्यीकरण और रेलवे लाइन विस्तार का निर्माण हुआ है। वहीं, 30 पांटून पुल बने। इनमें 15 पुल संगम के बिल्कुल करीब बनाए गए हैं। 41 घाटों पर करीब 10 हजार चेंजिंग रूम हैं। आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी गाटों पर 300 से अधिक गोताखोर तैनात हैं। इतनी व्यापक व्यवस्था के बावजूद भगदड़ मची तो यूपी ही नहीं, केंद्र सरकार भी अलर्ट मोड में आ गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से चार बार बात की। दूसरी तरफ, विपक्ष कमियां गिनाने में लगा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि यह भगदड़ अव्यवस्था के कारण मची। वहीं, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी दावा किया कि महाकुंभ में इस दुखद घटना के लिए कुप्रबंधन, बदइंतजामी और आम श्रद्धालुओं की जगह वीआईपी मूवमेंट पर प्रशासन का विशेष ध्यान होना जिम्मेदार है।शांत और सुरक्षित महाकुंभ मेले के आयोजन पर करीब 7,500 करोड़ रुपया खर्च होने की बात की जा रही है। ऐसे में दावों का सच सामने आ गया। अच्छा हो कि जिम्मेदारों के विरूद्ध भी कड़ी कार्रवाई की जाय।

बजट पर टिकी निगाहें और मध्यम वर्ग

—डॉ. जयंतीलाल भंडारी—

इन दिनों पूरे देश के साथ–साथ मध्यम वर्ग की निगाहें वित्तमंत्री द्वारा एक फरवरी को प्रस्तुत किए जाने वाले केंद्रीय बजट 2025–26 की ओर लगी हुई हैं। दरअसल, देश के विकास का इंजन कहे जाने वाले मध्यम वर्ग की मुट्ठियों में धन की कमी के कारण उनके निजी उपभोग पर होने वाले खर्च में गिरावट से विकास दर प्रभावित हो रही है। उम्मीद है कि वित्तमंत्री आगामी बजट में टैक्स में कटौती और वित्तीय प्रोत्साहनों से आयकरदाता और मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाकर मांग में वृद्धि करके अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाएंगी। कयास लगाए जा रहे हैं कि वित्तमंत्री नए टैक्स रिजीम के तहत 10 लाख रुपये तक की कमाई को टैक्स फ्री कर सकती हैं। इससे मध्यम वर्ग के हाथ में जो अतिरिक्त धनराशि बचेगी, उससे खपत बढ़ाने में बड़ी मदद मिलेगी।

वस्तुतः मध्यम वर्ग के खर्च और निजी उपभोग का देश की विकास दर की रफ्तार से सीधा संबंध है। कोरोना–19 के बाद से मध्यम वर्ग के पास अपने उपभोग खर्च के बाद निवेश के लिए खर्च में लगातार कमी आ रही है। मध्यम वर्ग की जीवनशैली को बनाए रखने की लागत में अत्यधिक तेज वृद्धि ने इस वर्ग की वित्तीय मजबूती कम की है। बढ़ती हुई, खुदरा महंगाई ने भी मध्यम वर्ग के परिवारों पर वित्तीय दबाव को बढ़ा दिया है। पिछले वर्ष 2024 में खाद्य पदार्थों की खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक के निर्धारित मानक से अधिक रही है। स्थिति यह है कि निजी उपभोग में कमी ने निजी पूंजीगत व्यय के चक्र की रफ्तार घटा दी है। कोविड–19 के बाद मध्यम वर्ग की कमाई की रफ्तार में कमी आई है। साथ ही बढ़ती वित्तीय देनदारी और कर्ज की किस्त अदायगी का बोझ बढ़ने से मध्यम वर्ग चिंतित है।

निःसंदेह, सरकार ने विगत वर्षों में जहां गरीब लोगों के लिए ढेर सारी राहतों का ऐलान किया, वहीं कॉर्पोरेट जगत पर भी सरकार ने ध्यान दिया। लेकिन सबसे अधिक टैक्स देने वाला मध्यम वर्ग पीछे छूट गया। पिछले विभिन्न बजटों में मध्यम वर्ग की चिंताओं पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया है। इस वर्ग पर लगाए गए कर की तुलना में इस वर्ग को सार्वजनिक सेवाओं के जरिए बहुत कम रिटर्न मिला है, ऐसे में यह अपेक्षा की जा रही है कि आगामी बजट सरकार के लिए लक्षित कर सुधारों को आगे बढ़ाने, शहरी उपभोग मांग को बढ़ाने और मध्यम वर्ग को सीधे लाभ पहुंचाने वाली सेवाओं को बढ़ाने वाला बजट होगा। उपयुक्त कर राहत से एक अच्छा आर्थिक चक्र बन सकता है। निस्संदेह, मध्यम वर्ग पर कर का बोझ कम करने से खपत बढ़ेगी। इससे जीएसटी संग्रह में वृद्धि होगी और कर योग्य आय वालों का आधार बढ़ेगा।

उल्लेखनीय है कि पिछले 10 वर्षों में लगातार आयकर रिटर्न भरने वाले आयकरदाताओं की संख्या और आयकर की प्राप्ति में छलांगें लगाकर वृद्धि हुई है। चालू वित्त वर्ष 2024–25 में अप्रैल से दिसंबर, 2024 तक आयकर सहित प्रत्यक्ष कर संग्रहण करीब 16 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो कि पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 16 फीसदी से भी ज्यादा है। इस परिप्रेक्ष्य में आईसीआरए की रिपोर्ट कहती है कि आगामी बजट में सरकार व्यक्तिगत आयकरदाताओं को राहत दे सकती है, इससे कर संग्रह पर असर पड़ने का खतरा नहीं है। वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान प्रत्यक्ष कर संग्रह में 12 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। इस अनुमान का आधार आय और कॉर्पोरेट कर राजस्व में इजाफा होना है। अप्रत्यक्ष करों में 9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। जीएसटी संग्रह में 10.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। सीमा शुल्क में भी 5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है।

ऐसे में मध्यम वर्ग के लिए टैक्स में कटौती और टैक्स ढांचे को आसान बनाकर खर्चों और सेविंस को बढ़ाने की कोशिश इस बजट में दिखाई दे सकती है। खासतौर से वेतनभोगी वर्ग को लाभान्वित करने के भी विशेष प्रावधान नए बजट में दिखाई दे सकते हैं। नई टैक्स रिजीम के तहत आयकर स्लैब में और बदलाव हो सकता है, ताकि अधिक से अधिक करदाता इसे अपनाने के लिए प्रेरित हो सकें। 30 प्रतिशत की दर को 20 लाख रुपये से अधिक की आय वालों पर लागू किया जाना अत्यधिक लाभप्रद होगा। नए बजट के तहत आयकर से संबंधित पुराने टैक्स रिजीम के अंतर्गत धारा 80सी के तहत छूट बढ़ाई जा सकती है। नए बजट 2025–26 में पुराने टैक्स रिजीम के तहत भी स्टैंडर्ड डिडक्शन की लिमिट बढ़ाई जा सकती है। अभी पुरानी व्यवस्था में नौकरीपेशा लोगों और पेंशनधारकों को 50,000 रुपये तक की छूट दी जाती है। नई टैक्स रिजीम के तहत 75,000 रुपये की कटौती का लाभ मिलता है।

वहीं दूसरी ओर अभी आयकर के कर दायरे में इजाफा किए जाने की बड़ी संभावनाएं हैं। बड़ी संख्या में उद्योग–कारोबार सेक्टर में कार्यरत रहते हुए कमाई करने वाले, महंगी आरामदायक व विलासिता की वस्तुओं का उपयोग करने वाले तथा पर्यटन के लिए विदेश यात्राएं करने वालों में से भी बड़ी संख्या में लोग या तो आयकर न देने का प्रयास करते हैं या फिर बहुत कम आयकर देते हैं। स्थिति यह है कि वर्ष 2023–24 में देश के 140 करोड़ से अधिक लोगों में से सिर्फ 8.09 करोड़ लोगों ने आयकर रिटर्न दाखिल किए। इनमें से भी 4.90 करोड़ लोगों ने शून्य कर योग्य आय की सूचना दी। सिर्फ 3.19 करोड़ लोगों ने ही आयकर दिया है। ऐसे में देश के सकल घरेलू उत्पाद में आयकर का योगदान बहुत कम बना हुआ है।

वित्तमंत्री आयकर सुधारों के तहत वर्ष 2025–26 के बजट सत्र में नया आयकर कानून पेश कर सकती हैं। इसका मकसद मौजूदा इनकम टैक्स एक्ट 1961 को आसान, स्पष्ट और समझने योग्य बनाना है। इसके तहत अनावश्यक और अप्रचलित प्रावधानों को हटाया जाएगा। कर विवादों को कम किया जाएगा। टैक्सपेयर्स के लिए अनुपालन को आसान बनाया जाएगा।—लेखक अर्थशास्त्री हैं।

दुनिया की दुखती रग पर ट्रंप की चोट

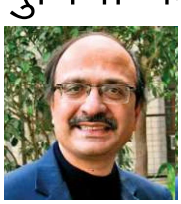

—दिनेश सी. शर्मा—

अमेरिकी राष्ट्रपति का ओहदा संभालते ही डोनाल्ड ट्रंप ने जिन कार्यकारी आदेशों पर सबसे पहले हस्ताक्षर किए उनमें एक है विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका का हटना। आदेश में दलील दी गई है कि यह निर्णय 'चीन के दबाव से शुरू हुई कोविड महामारी और अन्य वैश्विक स्वास्थ्य संकटों को ठीक से न संभाल पाना, फौरी तौर पर जिन सुधारों की जरूरत थी उन्हें करने में विफलता और संगठन के सदस्य देशों के अनुचित राजनीतिक प्रभाव से खुद को मुक्त रख पाने में इसकी 'अक्षमता' के बाद लिया गया है।'

अमेरिकी राष्ट्रपति का ओहदा संभालते ही डोनाल्ड ट्रंप ने जिन कार्यकारी आदेशों पर सबसे पहले हस्ताक्षर किए उनमें एक है विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका का हटना। आदेश में दलील दी गई है कि यह निर्णय 'चीन के दबाव से शुरू हुई कोविड महामारी और अन्य वैश्विक स्वास्थ्य संकटों को ठीक से न संभाल पाना, फौरी तौर पर जिन सुधारों की जरूरत थी उन्हें करने में विफलता और संगठन के सदस्य देशों के अनुचित राजनीतिक प्रभाव से खुद को मुक्त रख पाने में इसकी 'अक्षमता' के बाद लिया गया है।' आदेश में कहा गया है कि अमेरिका चीन जैसे देशों की तुलना में विश्व स्वास्थ्य संगठन को 'कहीं अधिक' सहायता दे रहा हैदू चीन की आबादी 1.4 बिलियन है, लेकिन वह बहुत कम राशि का योगदान करता है। ट्रंप के इस फैसले में न केवल अमेरिका बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा पर दूरगामी प्रभाव निहितार्थ है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रति ऐसी हेठी उनके पहले कार्यकाल के दौरान में भी स्पष्ट थी, जब दुनिया कोविड महामारी की मार से जूझ रही थी। स्थिति को ठीक से न संभालने के लिए उन्होंने इस स्वास्थ्य एजेंसी को सीधे तौर पर दोषी ठहराया था। ट्रम्प ने इसको लिए जाने वाले अमेरिका के अंशदान को ऐसे वक्त पर रोक दिया था जब वह सदी के सबसे बुरे वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल से जूझ रहा था। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका की अंतिम वापसी की प्रक्रिया शुरू कर भी दी थी, लेकिन ऐसा होने से पहले, वे चुनाव हारकर सत्ता से बाहर हो गए थे। उनके बाद आए जो बाइडेन ने उक्त आदेश को उलट दिया और डब्ल्यूएचओ को अमेरिका का वित्तीय अंशदान बहाल कर दिया था। अब नए जारी किए गए कार्यकारी आदेश का मतलब है कि अमेरिका एक साल के भीतर संगठन को अपनी वित्तीय सहायता बंद कर देगा। वर्तमान में, डब्ल्यूएचओ के कुल वित्त पोषण में अमेरिका का अंशदान लगभग 18 फीसदी है। दो साल (2024 और 2025) के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन का बजट 6.8 बिलियन डॉलर है।

डब्ल्यूएचओ का गठन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, स्वास्थ्य और बीमारियों के महत्वपूर्ण मामलों से निपटने के मंतव्य से एक विशेष संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के रूप में किया गया था। इसे वैज्ञानिकों, चिकित्सा विशेषज्ञों और स्वास्थ्य नीति निर्माताओं के अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क युक्त एक तकनीकी एजेंसी के रूप में कार्य करने के लिए अधिकृत किया गया था। इसके मुख्य कार्यों में एक है नए पैदा हो रहे संक्रमणों पर निगरानी एवं सूचना साझा करना। दशकों से, इस एजेंसी के काम ने चेचक, वॉस, पीला बुखार, कुष्ठ रोग और पोलियो जैसी बीमारियों के उन्मूलन और नियंत्रण में मदद की है। यूएन एड्स नामक एक नई एजेंसी के माध्यम से इसकी एचआईवीएड्स पर की वैश्विक कार्रवाई भी उल्लेखनीय रही। अब, इसका ध्यान तपेदिक उन्मूलन पर है।

वर्ष 2000 से नए संक्रमणों के उभरने और पुराने संक्रमण– जैसे कि सार्स, बर्ड फ्लू, एमईआरएस, इबोला, एमपॉक्स और कोविड 19 के लिए उभरने से एजेंसी का काम अधिक ध्यान खींच रहा है। एक वैश्वीकृत, एक–दूसरे से बहुत अधिक जुड़े एवं परस्पर निर्भरता वाले विश्व में, स्वास्थ्य सुरक्षा सीधे तौर पर अर्थव्यवस्था के साथ जुड़ी हुई है। डब्ल्यूएचओ से हटने का फैसला वैश्विक समुदाय के अलावा खुद अमेरिका के लिए भी बुरा रहेगा। यह अमेरिका की दवा निर्माता कंपनियों को विश्व स्वास्थ्य संगठन के महामारी, इनफ्लुएंजा तंत्र से मिलने वाले रोग के प्रकोप और स्वास्थ्य आपात स्थिति संबंधी महत्वपूर्ण डेटा से वंचित कर देगा। यह निर्णय आगे वैश्विक महामारी संधि और अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमन जैसे अन्य तंत्रों में चल रही वार्ताओं से अमेरिका के हटने की राह खोलेगा। डब्ल्यूएचओ के साथ काम कर रहे दर्जनों अमेरिकी विशेषज्ञों को भी वापस बुलाकर अन्यत्र नियुक्त किया जाएगा। दो अमेरिकी संस्थान– सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ– महत्वपूर्ण मुद्दों पर डब्ल्यूएचओ के साथ काफी गहरे तक जुड़े हैं। ऐसी साझेदारियों का खत्म होना परस्पर हानिकारक रहेगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए, अपने सबसे बड़े दानदाता का चले जाना एक गंभीर झटका है, वह भी ऐसे समय में जब अन्य देशों का योगदान पहले से ही कम होता जा रहा है। अमेरिका के बाद, अगला सबसे बड़ा दानदाता देश जर्मनी है, जिसका एजेंसी के वित्त पोषण में योगदान लगभग 3 प्रतिशत है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में, डब्ल्यूएचओ को कुछ गैर–राजकीय दानदाताओं से मिलने वाले धन में काफी वृद्धि हुई है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन इस सूची में सबसे ऊपर है, उसके बाद नंबर आता है यूरोपियन आयोग और विश्व बैंक का। गेट्स फाउंडेशन पोलियो उन्मूलन और टीकों जैसे क्षेत्रों में काम में मदद कर रहा है। यदि अमेरिका द्वारा वित्तीय मदद बंद करने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन को मिलने वाला राष्ट्रीय वित्त पोषण नहीं बढ़ता, तो इसकी निर्भरता गेट्स जैसे निजी दानदाताओं पर बढ़ सकती है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के स्वतंत्र कामकाज के लिए यह स्थिति अच्छी नहीं होगी। आलोचकों का मानना है कि निजी वित्त पोषण के साथ कुछ शर्तें जुड़ी होती हैं, जो बदले में वैश्विक स्वास्थ्य एजेंडे को प्रभावित कर सकती हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के कामकाज को और अधिक कुशल, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाने के लिए इसमें सुधार की मांग करना जायज है। महामारी के मद्देनजर, भारत ने भी 2020 में जी–20 और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन जैसे बहुपक्षीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाया था। भारत का सुझाव है कि डब्ल्यूएचओ को कोविड–19 जैसी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित करने के लिए वस्तुनिष्ठ मानदंड और मापदंड तैयार करने चाहिए। अन्य देशों ने भी इसी प्रकार की मांग की है। संयुक्त राष्ट्र निकाय होने के नाते, डब्ल्यूएचओ आलोचना के लिए खुला है और सुधारों के विचार को आगे बढ़ाने के लिए मंच मौजूद हैं, लेकिन इसे मंग करना या इसे फंड से वंचित करना समाधान नहीं है। वहीं सुधार संबंधी मांग का जवाब देते हुए, डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि उसने अपने इतिहास में सुधारों का सबसे बड़ा सेट लागू किया है, जिसमें 'जवाबदेही, लागत–प्रभावशीलता और देशों में प्रभाव' शामिल हैं।—लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के माहिर हैं।

संकीर्ण मानसिकता के लोग

— निर्मल रानी—

जिस समय अबू धाबी में स्वामीनारायण मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गत वर्ष 14 फरवरी 2024 को किया गया था उस समय भारतीय मीडिया में इसकी जोरदार चर्चा हुई थी। अबू धाबी में 27 एकड़ जमीन पर बने इस पहले एवं विशाल हिंदू मंदिर के उद्घाटन समारोह में 42 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इस मंदिर के निर्माण हेतु 13.5 एकड़ जमीन अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद ने वर्ष 2015 में बीएपीएस संस्था को दान स्वरूप भेंट की थी। गौरतलब है कि संयुक्त अरब अमीरात में लगभग 26 लाख भारतीय रहते हैं जो वहां की कुल जनसँख्या का लगभग 30: हिस्सा है। इससे पहले दुबई में भगवान शिव व भगवान कृष्ण के दो अलग अलग मंदिर और एक गुरुद्वारा तथा अबू धाबी में एक चर्च पहले से मौजूद थे परन्तु यहाँ कोई मंदिर नहीं था। हालाँकि अबू धाबी में निर्मित हुये इस विराट व भव्य मंदिर के निर्माण के बाद यह प्रचारित करने की कोशिश की गयी कि यह अरब जगत में निर्मित पहला हिंदू मंदिर है परन्तु यह सच्चाई से कोसों दूर गोदी मीडिया द्वारा सत्ता की चापलूसी के लिये गढ़ा गया एक नरेटिव मात्र था। क्योंकि बहरीन की राजधानी मनामा में सिंधी हिंदू समुदाय का श्रीनाथजी का मंदिर एक सदी से भी अधिक पुराना है। पड़ोसी देश सऊदी अरब में रहने और काम करने वाले हिंदू भी पवित्र अवसरों पर इस मंदिर में पूजा–पाठ करने आते हैं। ओमान की राजधानी मस्कट में 125 वर्ष प्राचीन मोतीश्वर मंदिर भगवान शंकर का मंदिर है। जबकि मस्कट के ही रुवी में 150 साल पुराना कृष्ण–विष्णु मंदिर भी है। इस मंदिर को ओमान के सुल्तान ने ओमान में बसे गुजराती हिन्दू समुदाय के लिए मित्रता के प्रतीक के रूप में निर्मित कराया था। इसके अलावा भी दुबई में संपन्न भारतीय समुदाय में दक्षिण भारतीयों के अलावा सिंधी, मराठी, गुजराती, पंजाबी और करीब सभी प्रमुख धर्मों के कई दशकों पुराने अनेक धार्मिक स्थान हैं। यहाँ इन्हीं मंदिरों में ही पूजा अर्चना,हवन यज्ञ धर्म व आध्यात्मिक से जुड़े समारोह, उत्सव व अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इतना ही नहीं बल्कि दुबई और उसके आसपास के कुछ शहरों और खाड़ी के अन्य हिस्से में दिवाली की रात ठीक उसी तरह की रोशन होती है, जैसे भारत में होती है।

यह तो उन इस्लामिक देशों में मंदिरों की स्थिति है जहाँ मूर्ति पूजा प्रतिबंधित मानी जाती है परन्तु केवल धार्मिक सौहार्द व सम्मान के कारण अरब जगत के कई देश धार्मिक सहिष्णुता का परिचय देते हुये एक दूसरे की धार्मिक मान्यताओं व परंपराओं का आदर व सत्कार करते हैं। निश्चित रूप से जब भारतीय समाज ऐसी खबरों से बाखबर होता है तो उसे बेहद खुशी होती है। परन्तु ठीक इसके विपरीत हमारे देश में असहिष्णुता का दिनोंदिन बढ़ता सिलसिला हमारे लिये शर्मिन्दिगी का सबब बनता जा रहा है। यदि हम अरब देशों में मंदिरों के निर्माण पर खुश हो सकते हैं। जब हम बांग्लादेश,पाकिस्तान या अफगानिस्तान जैसे देशों में मंदिर गुरुद्वारों व चर्चों पर होने वाले हमलों पर क्रोधित होते हैं तो हमें स्वयं सौहार्द की मिसाल पेश कर दुनिया के सामने सहिष्णुता व सद्भाव का एक उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिये। परन्तु यहाँ तो सत्ता के संरक्षण में स्थिति दिन प्रतिदिन कुछ और ही होती जा रही है। गुजरात से शुरू हुआ धार्मिक असहिष्णुता का यह घिनौना खेल अब उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश,हरियाणा,राजस्थान,उत्तराखंड व छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों तक जा पहुंचा है। कहीं मस्जिदों में नमाज अदा करने से रोका जा रहा है तो कहीं अपने घरों में ही नमाज पढ़ने पर पाबन्दी लगा दी गयी है। जुमे के दिन गुड़गांव जैसे बड़े शहर में पार्कों या खुले स्थानों पर शांतिपूर्वक नमाज पढ़ने वालों का कई बार विरोध हो चुका है। हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों में चर्चों पर भी हमले होते रहते हैं। मस्जिदों के इमामों की हत्यायें व उनपर हमले होते रहते हैं। कहीं मस्जिद पर भगवा फहराया जाता है तो कहीं पीर फकीरों की मजारों या दरगाहों को हिंसा व उपद्रव का निशाना बनाया जाता है।

आज हमारे देश में ऐतिहासिक प्रमाणिकता के साथ ऐसे सैकड़ों गैर मुस्लिम धर्मस्थान मिल जायेंगे जिसके लिये मुस्लिमों द्वारा जमीन दान में दी गयी हैं। आज जहां एक ओर तो हमारे देश में सूफी फकीरों से जुड़े अनेक आस्तानों का संचालन गैर मुस्लिमों द्वारा पूरी श्रद्धा भक्ति के साथ किया जा रहा है।

आउट ऑफ स्कूल बच्चों को लेकर शिक्षकों को मिला प्रशिक्षण

संवाददाता–बलरामपुर। बेसिक शिक्षा कार्यालय के एकेडमिक रिसोर्स सेंटर में शिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें स्कूल न आने वाले छात्रों को विद्यालय लाने के के बारे में जानकारी देते हुए आउट ऑफ स्कूल बच्चों के प्रवेश प्रक्रिया के बारे में शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

रिसोर्स सेंटर के प्रशिक्षण का शुभारंभ बेसिक शिक्षाधिकारी शुभम शुक्ल ने किया। उन्होंने अध्यापकों को अपने क्षेत्र के उन बच्चों को स्कूल लाने के लिए प्रेरित किया है जो काफी समय से स्कूल से दूरी बनाए हुए हैं। सदर खंड शिक्षाधिकारी अशोक पाठक ने कहा कि अपने क्षेत्र में ऐसे बच्चे जो स्कूल नहीं आते हैं उनके अभिभावकों से संपर्क कर शिक्षा की मुख्य धारा से उन्हें जोड़ें। एक शिक्षित व्यक्ति भविष्य में अपने लिए रोजगार तलाश लेता है और एक शिक्षक होने के कारण सभी की जिम्मेदारी है कि अच्छे समाज का निर्माण करें। तीन दिवसीय प्रशिक्षण के पहले दिन प्रशिक्षक के रूप में देवेश मिश्रा, अखिलेश शुक्ल, सुबोध कुमार एवं अनिता कुशवाहा ने आउट ऑफ स्कूल बच्चों को जोड़ने के लिए शारदा ऐप पर कार्य करने का तरीका बताया। इस दौरान अमित कुमार, शकीरा बेगम, गीता मौर्य, मोहम्मद इकबाल, प्रदीप बाजपेई, गौरव सिंह, विनोद पाठक आदि शिक्षकगण शामिल रहे।

अतिक्रमण हटाने को लेकर बवाल, पुलिस ने भांजी लाठी, पथराव

संवाददाता–देवरिया। बुधवार को बवाल हो गया। नगर पालिका टीम के साथ अतिक्रमण हटाने गई पुलिस टीम व मछली बेचने वालों के बीच विवाद हो गया। पुलिस ने लाठियां भांजी तो मछली विक्रेताओं ने पुलिस टीम पर पथराव किया। पथराव से कुछ पुलिस कर्मियों को हल्की चोटें आ गई तो पुलिस के लाठी भांजने से मछली बेचने वाली कई महिलाएं घायल हो गई। मौके पर आधे घंटे तक अफरा–तफरी का माहौल रहा। बवाल की सूचना पर सीओ सिटी संजय कुमार रेड्डी बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उधर पुलिस के महिलाओं पर लाठी भांजने व पुलिस पर पथराव का वीडियो वायरल हो रहा है।

दोपहर बाद नगर पालिका की टीम पुलिस बल के साथ शहर के स्टेशन रोड स्थित मछली हड़ा में अतिक्रमण हटाने पहुंची। मछली बेच रही महिलाओं से टीम की कहासुनी होने लगी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। आरोप है कि पुलिस ने महिलाओं पर हल्का बल प्रयोग किया। जिसके बाद मछली बेचने वाली महिलाएं उग्र हो गई और पुलिस पर पथराव करने लगी। जिसके बाद पुलिस ने लाठियां भांजनी शुरू कर दी। जिसके बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। पथराव से कई पुलिसकर्मी चोटिल हो गए। जबकि पुलिस की पिटाई से मछली बेचने वाली तीन महिलाएं भी घायल बताई जा रही है। बवाल की सूचना पर पुलिस व पीएसी भी बुला ली गई। इस संबंध में पूछने पर सीओ सदर संजय कुमार रेड्डी ने कहा कि नगर पालिका ईओ के साथ पुलिस टीम अतिक्रमण हटाने के लिए मछली हड़ा गई थी। कुछ लोगों ने पुलिस टीम से विवाद करने के चलते ईंट पत्थर चलाया है। मामले की जांच की जा रही है।

सरकारी जमीन पर चबूतरा बना कर कब्जा, प्रशासन ने हटवाया

संवाददाता–श्रावस्ती। इकौना तहसील के पास तालाब की जमीन पर चबूतरा बना कर कब्जा कर लिया गया था। जिसे बुधवार सुबह प्रशासन ने जेसीबी लगा कर हटवा दिया। इस दौरान सुरक्षा के लिए कई थानों की पुलिस मौजूद रही। तहसील इकौना के बगल तालाब की जमीन पर गैर समुदाय के लोगों ने चबूतरा बना कर कब्जा कर लिया था। कई बार जमीन की पैमाइश कराई गई। और चेतावनी दी गई। लेकिन कब्जा नहीं हटाया गया।

इस पर बुधवार सुबह जेसीबी मशीन लगाकर चबूतरे को हटवा दिया गया और जमीन को समतल करा दिया गया। इस दौरान मोहर्रम कमेटी के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी ओमप्रकाश को अपने अभिलेख दिखाकर जेसीबी मशीन रोकने का प्रयास किया। लेकिन प्रशासन ने चबूतरे को हटा दिया। एसडीएम ने कहा कि संबंधित कागजात डीएम को दिखा कर बातचीत करें। तालाब से अतिक्रमण हटाते समय शांति व्यवस्था को लेकर नवीन मॉर्डर्न थाना श्रावस्ती, थाना इकौना एवं पुलिस लाइन के पुलिस अधिकारी आरक्षी,महिला आरक्षी मौजूद रहे। इस दौरान उप जिलाधिकारी ओमप्रकाश के साथ ही सीओ इकौना सतीश कुमार, प्रभारी निरीक्षक अश्विनी कुमार दूबे सहित नगर पंचायत इकौना के अधिकारी एवं कर्मचारी अतिक्रमण को हटाने में जुटे रहे।

कार्य बहिष्कार का अधिवक्ताओं ने किया प्रदर्शन, मांगा न्याय

संवाददाता–महराजगंज। बस्ती में अधिवक्ता की हत्या के मामले को लेकर यहां अधिवक्ताओं में उबाल है। बुधवार को सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं का आक्रोश फूट पड़ा। कार्य बहिष्कार करते हुए अधिवक्ताओं ने घटना के विरोध में प्रदर्शन किया। जल्द से जल्द अधिवक्ता के हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग करते हुए अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की गई।

इस घटना के विरोध में सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन की बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से बस्ती में अधिवक्ता की निर्मम हत्या पर आक्रोश व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने कहा कि इस जघन्य घटना से अधिवक्ता समाज बेहद आहत है। शासन–प्रशासन से मांग की गई कि मृतक अधिवक्ता के परिजनों को तत्काल 50 लाख रुपये मुआवजा देते हुए परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। अधिवक्ता के हत्यारों को शीघ्र गिरफ्तारी करते हुए इस मुकदमे की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में की जाए। अधिवक्ताओं ने एक स्वर से अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की, ताकि अधिवक्ताओं का हित संरक्षित रह सके। इस बैठक के बाद पूरे दिन न्यायिक कार्य में सहयोग न करने का निर्णय लिया गया और अधिवक्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

अध्यक्ष करुणाकर पति त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुई बैठक व प्रदर्शन में महामंत्री अनूप कुमार सिंह, पूर्व मंत्री रामराज चौधरी, पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह, पूर्व अध्यक्ष इंद्रासन सिंह, पूर्व अध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव, मधुसूदन पटेल, कृष्णानंद पांडेय, प्रमोद कुमार त्रिपाठी, मूर्ति नारायण त्रिपाठी, अभिजीत सिंह, अभिषेक यादव, अभय मौर्या, अविनाश कुमार, रामकिशोर पटेल, सौरभ पटेल, दिनेश गुप्ता सहित तमाम अधिवक्ता शामिल रहे।

आशा भर्ती प्रक्रिया की धीमी रफ्तार पर डीएम नाराज

संवाददाता–बलरामपुर। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। जिले में आशा के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया की धीमी रफ्तार पर डीएम ने नाराजगी जताई। कहा कि भर्ती प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने टीकाकरण, संस्थागत प्रसव एवं जननी सुरक्षा योजना का भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में डीएम ने जिले में संचालित स्वास्थ्य योजनाओं नियमित टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, जननी सुरक्षा योजना का भुगतान, आयुष्मान भारत, आभा आईडी, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की गहन समीक्षा की। आशा के रिक्त पदों पर चयन प्रक्रिया की विकास खंडवार समीक्षा की। प्रगति की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जताते हुए एमओआईसी बलरामपुर व तुलसीपुर का वेतन रोकने का आदेश दिया। उन्होंने शत प्रतिशत नियमित टीकाकरण सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत आरबीएसके टीम की ओर से रोस्टरवार सभी विद्यालयों का भ्रमण करते हुए छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण किए जाने का निर्देश डीएम ने दिया। इस अवसर पर सीडीओ हिमांश गुप्ता, सीएमओ मुकेश रस्तोगी सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

रसीद कटाओ और पीओपी खरीदकर लाओ, तब बंधेगा प्लास्टर

संवाददाता–गोण्डा। स्वशासी मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध बाबू ईश्वर शरण अस्पताल में मरीजों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। प्लास्टर बंधवाने के लिए उन्हें अंदर फीस देकर रसीद कटाने के साथ ही पीओपी (प्लास्टर आफ पेरिस) भी बाहर से लाना पड़ता है। बुधवार को पीओपी स्टाक में खत्म हो गया जिससे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बाबू ईश्वर शरण अस्पताल मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध है। मेडिकल कालेज का अंग बनने के बाद सुविधाओं में बढ़ोतरी का दावा भी किया जाता है लेकिन कुछ व्यवस्थाएं पटरी पर नहीं आ पा रहीं हैं। बताया जाता है कि सोमवार को प्लास्टर कक्ष में सिर्फ एक मुट्ठी पीओपी ही बचा था, जिससे एक भी प्लास्टर नहीं बांधा जा सकता था। बुधवार को पीओपी एकदम से समाप्त हो गया, जिसके बाद मरीजों को अपने रुपए से बाहर से पीओपी खरीदकर लाना पड़ा। यह स्थिति तब रही जबकि मरीजों को प्लास्टर बंधवाने के लिए बड़े प्लास्टर के लिए 268 व छोटे प्लास्टर के लिए 68 रुपए की सरकारी रसीद भी कटानी पड़ी। प्रतिदिन 40 किलो ग्राम की होती है पीओपी की खपत रू अस्पताल के प्लास्टर कक्ष में प्रतिदिन 40 किग्रा पीओपी की खपत होती है। एक अनुमान के अनुसार प्रतिदिन 20 से 25 लोगों को प्लास्टर भी बांधा जाता है। इसके बावजूद भी पीओपी प्लास्टर कक्ष को उपलब्ध नहीं कराया जा सका है। मारपीट व दुर्घटना में घायल लोगों को मेडिकल परीक्षण के बाद यहीं प्लास्टर बंधाना मजबूरी होती है।

जांच के लिए भेजा गया पांच दवाओं का नमूना

संवाददाता–बलरामपुर। देवीपाटन मंडल के दो जिलों गोंडा व बहराइच के अस्पतालों के दवा स्टोर में उपलब्ध दवाएं मानक के विपरीत मिलने पर महकमा सतर्क हो गया है। बुधवार को उच्चाधिकारियों के निर्देश पर औषधि निरीक्षक ने संयुक्त जिला चिकित्सालय के दवा स्टोर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यहां उपलब्ध दवाओं की पड़ताल की। औषधि निरीक्षक ने पांच महत्वपूर्ण दवाओं का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा है। जांच में नमूने फेल होने पर दवाओं पर प्रतिबंध लगाया जाएगा।

देवीपाटन मंडल के गोंडा व बहराइच जिले में ड्रग वेयर हाउस की ओर से उपलब्ध कराई गई दवाएं गुणवत्ता विहीन पाई गई हैं। इसमें खासकर महिलाओं का पीरियड अनियमित होने के बाद दी जाने वाली दवाएं शामिल हैं। इसी को दृष्टिगत रखते हुए बलरामपुर के जिला अस्पताल में उपलब्ध दवाओं की जांच करने के लिए बुधवार को औषधि निरीक्षक आलोक कुमार त्रिवेदी संयुक्त जिला चिकित्सालय पहुंचे। उन्होंने औषधि भंडार कक्ष का निरीक्षण किया। दवाओं की गहनता से पड़ताल की। इस दौरान उन्होंने पांच दवाओं का नमूना लिया है, जिसे जांच के लिए भेजा है। औषधि निरीक्षक ने जिन दवाओं का नमूना लिया है उसमें एटोफिलन, थियोफिलन टेबलेट, ओम्माप्रोजोल कैप्सूल, ट्रेनाक्जामिक एसिड टेबलेट, एजिथ्रो माइसीन व सिप्रो फ्लाक्सिन का नमूना लिया गया है। प्रमुख रूप से यह दवाएं गैस, खून रोकने, सांस फूलने के साथ–साथ एंटीबायोटिक दवाएं शामिल हैं। औषधि निरीक्षक आलोक कुमार त्रिवेदी ने बताया कि संयुक्त जिला चिकित्सालय के औषधि भंडार कक्ष में किसी प्रकार की अनियमितता नहीं मिली हैं और न ही कोई संदिग्ध दवाएं मिली हैं। पांच दवाओं का नमूना लेकर जांच के लिए भेजा गया है। अगर यह नमूने फेल होंगे तो आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि दवाओं की जांच के लिए सरकारी अस्पतालों में अभियान के तहत आगे भी जांच की जाएगी। जिला अस्पतालों के साथ–साथ सभी सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में उपलब्ध दवाओं की गुणवत्ता व मानक की जांच की जाएगी।

ड्रग वेयर हाउस के जरिए जिले के सरकारी अस्पतालों में जीवन रक्षक दवाएं भेजी जाती हैं। कार्पोरेशन के द्वारा भेजी जाने वाली दवाओं का सैंपल लेकर जांच कराने का अधिकारी औषधि विभाग को है। इसी क्रम में यह जांच बुधवार को की गई है। जिला अस्पताल में 266 तरीके की दवाएं स्टोर में उपलब्ध होनी चाहिए। इसकी भी जांच की गई है। संयुक्त जिला अस्पताल के इस दवा स्टोर रूम में जांच के दौरान प्रथम दृष्टया कोई गड़बड़ी नहीं पाई गई है। अब जिन दवाओं को सैंपल लिया गया है, अगर वह जांच में सही पाई जाती हैं तो कोई बात नहीं होगी। स्टोर इंचार्ज फार्मासिस्ट सुरेन्द्र दुबे व सैय्यम मुईद अहमद ने बताया कि समय–समय पर कार्पोरेशन से सप्लाई की जाने वाली दवाओं का नमूना जांच के लिए भेजा जाता है। उसी क्रम में यह भी जांच हुई है।

जिले के किसी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर मानक के अनुरूप दवाएं उपलब्ध नहीं हैं। जिससे मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। स्थिति यह है कि बच्चों से जुड़ी सीरप, स्वांस, किडनी और लीवर सम्बन्धी कोई भी दवा कार्पोरेशन जिला अस्पताल या स्वास्थ्य केन्द्रों पर नहीं भेज रहा है। यही कारण है कि ऐसी महंगी दवाएं मरीज बाहर से खरीदने को विवश हैं। फैटी लीवर से सम्बन्धित दवाएं खरीदने में मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि यह दवाएं काफी महंगी होती हैं। मरीजों का कहना है कि अगर यह दवाएं उन्हें अस्पताल में मिल जाएं तो उन्हें काफी सहूलियत होगी। गैस आदि की दवाओं पर भी मरीजों ने प्रश्नचिन्ह लगाया है। उनका कहना है कि यह दवाएं लाभकारी नहीं है। इनकी भी सही ढंग से जांच होनी चाहिए।

15 फरवरी से होगा अटल विरासत सम्मेलन का आयोजन

संवाददाता–महराजगंज। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म शताब्दी वर्ष चल रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के रूप में मनी थी और बूथ, मंडल, जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर अनेक कार्यक्रम व्यापक रूप से संपन्न हुए। पद यात्रा, गोष्ठी के साथ साथ कार्यालय पर उनके जीवन से जुड़ी प्रदर्शनी का भी प्रदर्शन किया गया था। अब 15 फरवरी से अटल विरासत सम्मेलन का आयोजन होगा। ये बातें जिलाध्यक्ष संजय पांडेय ने पार्टी कार्यालय पर मीडिया से बातचीत में कही।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के निर्देशानुसार 14 जनवरी से शुरू अटल विहारी बाजपेयी की स्मृति में कार्यक्रमों का आयोजन 15 मार्च तक किया जाएगा। सभी जिलों में ऐसे व्यक्तियों को चिह्नित किया जाएगा, जिनके पास अटल विहारी बाजपेयी से जुड़ी कोई स्मृति हो। यह स्मृतियां अखबार की कटिंग, दस्तावेज, किताबें, ऑडियो/वीडियो क्लिप आदि के रूप में हो सकती हैं। इन स्मृतियों का संकलन कर उन्हें संरक्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 15 फरवरी से 15 मार्च तक अटल विरासत सम्मेलन का हर जिले में आयोजन होगा। सम्मेलन में जिले के प्रबुद्ध जन, विशिष्ट व्यक्ति और अटल के प्रशंसक आमंत्रित किए जाएंगे। अटल विहारी बाजपेयी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर लिखी पुस्तकों के लेखकों को भी सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही अटल विहारी बाजपेयी के स्मृतियों का डिजिटल प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। सदर विधायक जय मंगल कन्नौजिया ने कहा कि अटल विहारी बाजपेयी के विचार और कार्य हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके द्वारा स्थापित मूल्यों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए यह कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस दौरान जिला महामंत्री बबलू यादव, नगर अध्यक्ष आकाश श्रीवास्तव, जिला मीडिया प्रभारी संजीव शुक्ला, वीरेंद्र लोहिया, राकेश अग्रहरी आदि लोग मौजूद रहे।

बलरामपुर लेजेंट क्रिकेट सीरीज का आयोजन एक फरवरी से

संवाददाता–बलरामपुर। यूनुस खान मेमोरियल लेजेंड सीरीज 2025 का आयोजन 1 फरवरी से बलरामपुर स्टेडियम में होगा। बुधवार को टूर्नामेंट की ट्राफी का अनावरण किया गया। प्रतियोगिता में बलरामपुर, गोण्डा व बहराइच की कुल आठ टीमें भाग लेंगी।

लेजेंड सीरीज में सभी पूर्व खिलाड़ी भाग लेंगे। आयोजन समिति के सदस्य अतीउर्रहमान ने बताया कि इस टूर्नामेंट में ऐसे खिलाड़ी भाग लेंगे जो कभी शहर में क्रिकेट का मशहूर नाम हुआ करते थे। उम्र बढ़ने के साथ क्रिकेट से दूर होने वाले ऐसे खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में अपने खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता में लेजेंड तिरंगा, लेजेंड गोण्डा, लेजेंड एमएलके बलरामपुर, लेजेंड बहराइच, टीम केटीओ, लेजेंड उतरौला, लेजेंड केवीएफ़ व नोमान इलेवन टीमें अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। बुधवार को टूर्नामेंट के ट्राफी का अनावरण किया गया। ट्राफी अनावरण के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद डा. अख्तर रसूल ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता से पूर्व खिलाड़ियों का अनुभव नए खिलाड़ियों को मिल सकेगा। विशिष्ट अतिथि व एमएलके लेजेंड टीम के कप्तान सचिन मदान ने कहा कि खेल का सभी खिलाड़ियों के जीवन में महत्वपूर्ण स्थान होता है। लईक अहमद बोले कि लोगों को इस प्रतियोगिता में अनुभवी खिलाड़ियों का उम्दा खेल देखने को मिलेगा। कमेटी सदस्य राशिद हुसैन, सलीम खान, याकूब खान, शाहनिसार खान ने सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अटल शर्मा, शानू मिर्जा, प्रदीप राव, पवन सिंह, कादिर वारसी, कलीम अहमद, तुफैल खान, अर्श, इशरार व रहीम आदि मौजूद थे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 30 शिक्षकों को मिला आदर्श शिक्षक सम्मान

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के बुनियादी शिक्षा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को बेसिक शिक्षा कार्यालय में सम्मानित किया गया है। यह सम्मान बीएसए ने आदर्श शिक्षक सम्मान 2025 के रूप में 30 अध्यापकों को दिया है। इनमें नगर क्षेत्र के तीन व नौ विकासखंड के 27 अध्यापक शामिल हैं। आदर्श शिक्षकों को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया गया है।

बेसिक शिक्षा कार्यालय परिसर में स्थापित रिसोर्स केंद्र के सभागार बुनियादी शिक्षा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालय के 30 शिक्षकों को आदर्श शिक्षक सम्मान 2025 से नवाजा गया है। इनमें नगर क्षेत्र से प्रधानाध्यापिका स्वाति श्रीवास्तव, शबीना बानो एवं मनोरमा जायसवाल शामिल हैं। इसी क्रम में पचपेड़वा शिक्षा क्षेत्र से सहायक अध्यापक कृष्ण बहादुर, पंकज कुमार एवं राम आशीष, गैसड़ी से सहायक अध्यापक आशीष द्विवेदी, प्रनाध्यापक इंद्र बहादुर यादव, पवन कुमार जायसवाल, रेहरा बाजार शिक्षा क्षेत्र से प्रधानाध्यापिका कनक लता मिश्रा, सहायक अध्यापक देवेंद्र सिंह, अब्दुल मुतिन, बलरामपुर शिक्षा क्षेत्र से प्रधानाध्यापक मुजीबुल्लाह अंसारी, सिम्मी सिंह, बबीता चौहान, प्रतिमा मिश्रा, वत्सला मिश्रा को आदर्श शिक्षक सम्मान 2025 से नवाजा गया है। इसी क्रम में गैंड़ास बुजुर्ग से प्रधानाध्यापक अशोक कुमार चौहान, सहायक अध्यापक प्रेमचंद शर्मा, गोविंद वर्मा, शिक्षा क्षेत्र हरैया सतघरवा से सुधीर कुमार, स्वाति, हेमंत वर्मा, तुलसीपुर शिक्षा क्षेत्र से प्रधानाध्यापक दांडेकर नारायण तिवारी, सिकंदरा, आजम खान, प्रीति वर्मा एवं श्रीदत्तगंज शिक्षा क्षेत्र से संगीता यादव, अजय कुमार सिंह, विनय प्रकाश व शालिनी यादव शामिल हैं। इन सभी अध्यापकों को बेसिक शिक्षाधिकारी शुभम शुक्ला ने आदर्श शिक्षक सम्मान 2025 से सम्मानित करते हुए प्रशस्ति–पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर उनके कार्यों की सराहना की है। बीएसए ने कहा कि यह सम्मान कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष प्रत्येक शिक्षा क्षेत्र से बुनियादी शिक्षा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अध्यापकों को दिया जाता है। उन्होंने अन्य अध्यापकों को इन शिक्षकों से सीख लेते हुए स्कूलों में बुनियादी शिक्षा पर उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर बीईओ अशोक पाठक, घनश्याम वर्मा, श्याम नारायण आर्य, रमेश चंद्र मौर्य, रामचंद्र मौर्य, सामुदायिक सहभागिता जिला जिला समन्वयक निरंकार पांडेय, डीसी प्रशिक्षण मोहित देव त्रिपाठी, जिला निर्माण समन्वयक एनके सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

अयोध्या को जल्द मिलेगा रामायण विश्वविद्यालय, निर्माण कार्य में तेजी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।अयोध्या में रामायण के आदर्शों और भारतीय संस्कृति प्राचीन शिक्षा पद्धति को आधुनिक तरीके से स्थापित करने के उद्देश्य से, महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। 2025 में इस विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है।विश्वविद्यालय के निर्माणाधीन भवनों का कार्य अब अपने अंतिम चरण में है। इनमें से कई इमारतें पूरी तरह बनकर तैयार हो चुकी हैं और अब उनमें फिनिशिंग का काम चल रहा है। इन भवनों के नाम रामायण के पात्रों पर आधारित होंगे, जिससे परिसर को पौराणिक और सांस्कृतिक पहचान मिलेगी। यह विशेषता विश्वविद्यालय को अन्य संस्थानों से अलग बनाएगी। रामायण विश्वविद्यालय में सभी प्रकार के पारंपरिक और आधुनिक पाठ्यक्रमों को शामिल किया जाएगा। यहां भारतीय संस्कृति, वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, धर्मशास्त्र के साथ–साथ आधुनिक विषय जैसे बीए, एल एल बी, बीएसी , बीकाम , एमए , और भी टेक्निकल और नॉन टेक्निकल जैसे पाठ्यक्रम का भी अध्ययन कराया जाएगा।महर्षि संस्थान विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए पूरी तरह सक्रिय है। माना जा रहा है कि यह विश्वविद्यालय अयोध्या के विकास और सांस्कृतिक महत्व को और बढ़ाएगा। साथ ही, यहां पढ़ने आने वाले छात्रों और शोधकर्ताओं को भारतीय संस्कृति के गहन अध्ययन का एक अनूठा अवसर मिलेगा। रामायण विश्वविद्यालय का निर्माण न केवल शिक्षा के क्षेत्र में अयोध्या को एक नई पहचान देगा, बल्कि यह पूरे देश और विदेश से आने वाले छात्रों और विद्वानों को अपनी तरफ खींचेगा। आने वाले समय में यह विश्वविद्यालय भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा का एक प्रमुख केंद्र बनेगा।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत पोषण किट का वितरण

संवाददाता–श्रावस्ती। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर में भारत सरकार एवं न्यू इंडिया की ओर से टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद राम शिरोमणि वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि भिनगा विधायक इंद्राणी वर्मा रहीं। कार्यक्रम में टीबी मरीजों को पोषण किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर सांसद चौधरी राम शिरोमणि वर्मा ने कहा कि टीबी कोई लाइलाज बीमारी नहीं है। यह सही इलाज और जागरूकता से पूरी तरह ठीक हो सकती है। वहीं भिनगा विधायक इन्द्राणी वर्मा ने बताया कि टीबी अभियान अधिकतम छह माह तक चलता है। जिसके तहत मरीजों को नियमित रूप से दवा का सेवन करने और चिकित्सीय परामर्श का पालन करने की सलाह दी जाती है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने लोगों को टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार की जानकारी दी। टीबी मरीजों को पौष्टिक आहार किट का वितरण किया गया। जिससे उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी। अधीक्षक डा अवनीश कुमार तिवारी ने कहा कि टीबी मरीजों को कम से कम दो माह तक मास्क पहनना जरूरी होता है। टीबी की जांच के लिए अस्पताल आने एवं नियमित दवा के सेवन करने की जरूरत होती है। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित समुदाय को टीबी मुक्त भारत बनाने में सहयोग करने की अपील की गई। सीएचसी अधीक्षक ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य 2025 तक भारत को टीबी मुक्त बनाना है। सरकार की ओर से टीबी मरीजों को निःशुल्क जांच, दवा और पौष्टिक आहार उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

महाकुम्भ में स्नान कर लौटी वृद्धा की हार्ट अटैक से मौत

संवाददाता–देवरिया। महाकुम्भ में स्नान कर बेटी के साथ लौट रही एक वृद्धा की सदर रेलवे स्टेशन पर हार्टअटैक से मौत हो गयी। सूचना मिलने पर कुम्भ मेला की ड्यूटी पर तैनात स्वास्थ्य कर्मियों ने उसका चेकअप कर एम्बुलेंस के जरिए उसे महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज भेजवाया। गोरखपुर जिले के बड़हलगंज थाना क्षेत्र के पटना घाट की रहने वाली चन्द्रावती देवी (70) पत्नी धन्नी प्रसाद गुप्ता अपने बेटी के साथ प्रयागराज महाकुम्भ में स्नान करने गई थी। स्नान करने के बाद वह ट्रेन से घर लौट रही थी,जैसे ही वह देवरिया सदर रेलवे स्टेशन पर पहुंची कि उन्हे हार्टअटैक आ गया और वह अचेत होकर जमीन पर गिर पड़ी। इसकी जानकारी होते ही सदर रेलवे स्टेशन पर कुम्भ मेला की ड्यूटी पर तैनात डॉ. जमाल अहमद सिद्दीकी व डॉ.अल्पना राव स्वास्थ्य कर्मियों के साथ वृद्धा के पास पहुंचे और चेकअप कर वृद्धा को एम्बुलेन्स के जरिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज भेजवाया,जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

अधिवक्ताओं का जारी रहा धरना, भटकते रहे फरियादी

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के धनघटा तहसील पर उप निबंधन कार्यालय निर्माण की मांग को लेकर अधिवक्ताओं का धरना लगभग दो माह से जारी है। जिससे न्यायालय का कार्य बाधित हो गया है। तहसील पर फरियादी अपना मुकदमा देखने आते हैं लेकिन न्यायालय का कार्य स्थगित होने के कारण वह मायूस होकर लौट जाते हैं।

तहसील पर धरना दे रहे अधिवक्ताओं का कहना है कि हम लोग दो महीने से लगभग धरना प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन अधिकारियों के कान पर जू नहीं रेंग रहा है। जिसका परिणाम है कि वादकारी तहसील पर अपना मुकदमा देखने आते हैं लेकिन न्यायालय कार्य का बहिष्कार होने के कारण उन्हें वापस बैरंग लौटना पड़ता है। अधिवक्ताओं का कहना है कि जनता की समस्या को देखते हुए भी अधिकारी हम लोगों की समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। उप निबंधन कार्यालय तहसील में बनवाने की मांग हम लोग बार–बार कर रहे हैं लेकिन दान की दी हुई भूमि उपनिबंधन कार्यालय बनवाने के लिए विभाग कटिबंध है। इसको हम लोग पूरा नहीं होने देंगे।

एमजी इंटर कॉलेज के 45 खिलाड़ी सम्मानित

संवाददाता–गोरखपुर। पूरे वर्ष विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले महात्मा गांधी इंटरमीडिएट कॉलेज के छात्रों को बुधवार को सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य ओम प्रकाश सिंह ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न खेलों में हिस्सा लेने वाले कुल 45 छात्रों को ट्रैकसूट और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य रामनाथ वर्मा, शशि भूषण श्रीवास्तव, डॉ. जनार्दन सिंह, संजय मोहन त्रिपाठी, डॉ. चंदन सिंह, सुशील त्रिपाठी, सत्य प्रकाश मिश्र, डॉ. राजेश श्रीवास्तव, अलगू राम, सतीश कुमार, महेन्द्र शर्मा, विनोद कुमार, ओम प्रकाश मिश्र व दीपक कुमार आदि ने भी बधाई व शुभकामनाएं दी।

प्रयागराज महाकुंभ जा रही ट्रेन पर अयोध्या में पथराव, कई बोगियों के शीशे टूटे, गार्ड घायल

संवाददाता–अयोध्या। प्रयागराज महाकुंभ जा रही पैसेंजर ट्रेन पर अयोध्या में पथराव किया। श्रद्धालुओं को जगह न मिलने पर पथराव कर कई बोगियों के खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए। गार्ड घायल होने की सूचना प्रकाश में आई है। अयोध्या धाम से प्रयागराज महाकुंभ जा रही पैसेंजर ट्रेन में श्रद्धालुओं को जगह न मिलने पर पथराव शुरू कर दिया। श्रद्धालुओं ने उग्र हो गए। इस दौरान एक दर्जन से अधिक खिड़कियों के शीशे टूटे और गार्ड घायल होने की सूचना प्रकाश में आई है। प्रतिदिन शाम चलने वाली पैसेंजर ट्रेन संख्या 64222 पर यह घटना पैसेंजर पर हुई। अयोध्या प्रयागराज रेलखंड के बीकापुर मलेथू कनक हाल्ट रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं ने ट्रेन में जगह न मिलने पर पैसेंजर ट्रेन में तोड़फोड़ की। इस पथराव में गार्ड को चोटें आई हैं। बताया गया कि कई बोगियों के शीशे टूटे हैं? लगभग एक दर्जन से अधिक खिड़कियों के शीशे टूट गए हैं। गेटमैन मोहम्मद वसीम के अनुसार, अयोध्या से प्रयागराज जा रही पैसेंजर ट्रेन संख्या 64222 देर रात मलेथू कनक हाल्ट रेलवे स्टेशन पर पहुंची। ट्रेन में श्रद्धालुओं की संख्या अधिक थी। जिसके चलते ट्रेन के अंदर मौजूद तीर्थ यात्रियों ने कई बोगियों के गेट बंद कर लिए थे। ट्रेन के स्टेशन पर रुकने की पहले ही श्रद्धालुओं ने अंदर से ट्रेन का दरवाजा बंद कर लिया था। श्रद्धालुओं ने ट्रेन में चढ़ने की कोशिश भी की। कुछ लोग कड़ी मशक्कत के बाद अंदर घुसकर बैठ गए। लगभग दो सौ के करीब श्रद्धालु ट्रेन में नहीं बैठ पाए। ट्रेन एक मिनट रुकने के बाद चलने लगी। ट्रेन में न बैठ पाने के कारण आक्रोशित श्रद्धालुओं ने ट्रेन पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। पत्थरबाजी में ट्रेन की कई खिड़कियों के शीशे टूट गए। ट्रेन की पिछली बोगी में मौजूद गार्ड को भी पत्थर लगने से चोट लगने की बात सामने आई है।

बुधवार को गेट मैन दुर्गेश चौरसिया ने बताया कि हमारे जाने के बाद जो कुछ घटना हुई है। हमें जानकारी नहीं है। हमारे जाने के बाद पैसेंजर ट्रेन आने के बाद पता चला कि कुछ घटना हुई। स्टेशन पर खिड़कियों के टूटे हुए शीशे बिखरे पड़े हुए हैं।

NOTICE

1 Solemanly affirm and state on oath that my name is Sharad Pandey S/o Shri Anoop Kumar Pandey R/O Village Ramawapur Pandey P.O. Walterganj P.S. Walterganj Distt. Basti. I Solemanly Affirm and state on oath That my fathers correct name is Anoop Kumar Pandey but in School document my fathers name is written Anoop Kr. Pandey which is in correct. I Solemnal Affirm and state on oath that my fathers correct name is Anoop Kumar Pandey. So In all School Papers where Anoop Kr. Pandey is written should be interd as correct name Annop Kumar Pandey.

Sharad Pandey

5 फरवरी तक चलेगी व्यवसायिक वाहनों का एकमुश्त समाधान योजना

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के एआरटीओ विभाग द्वारा व्यवसायिक वाहनों के कर के बकाया जमा करने में छूट की एकमुश्त समाधान योजना 5 फरवरी तक चलेगी। ऐसे वाहन स्वामी जिनके वाहनों के कर समय पर न जमा होने के कारण बकाया चल रहा है वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। इस योजना के समाप्त होने में अब केवल नौ दिन ही शेष बचे हैं। इसके बाद परिहन विभाग ऐसे वाहन स्वमियों पर कार्रवाई करेगा। एआरटीओ प्रियंवदा सिंह ने बताया कि व्यवसायिक वाहनों के विरुद्ध बकाया कर के भुगतान में विलम्ब पर लगने वाली शास्ति जुर्माना से छूट प्रदान करने के लिए एकमुश्त समाधान योजना चल रही है। इस योजना के तहत ऐसे वाहन स्वामी जिनके व्यवसायिक वाहन के विरुद्ध कर बकाया है और वे कर के भुगतान में विलम्ब पर लगने वाली शास्ति (जुर्माना) में छूट चाहते हैं, यह अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन माह के भीतर (5 फरवरी तक) सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करके और निर्धारित शुल्क जमा कराकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने राप्ती नदी में लगाई डुबकी

संवाददाता–गोरखपुर। माघ मास की अमावस्या यानी मौनी अमावस्या पर बुधवार को राप्ती तट के श्रीराम घाट, श्रीगोरक्ष घाट एवं श्रीराजघाट पर पवित्र स्नान एवं दान के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। राप्ती नदी में स्नान कर श्रद्धालुओं ने समस्त पापों का नाश और मोक्ष की प्राप्ति की कामना की। अधिकांश श्रद्धालुओं ने मौन रह कर स्नान किया। मान्यता है कि इस दिन मौन रहने से मन की शुद्धि और आध्यात्मिक ऊर्जा में बढ़ोत्तरी होती है। श्रद्धालुओं ने राप्ती तट पर ही दान–पुण्य किया। विशेषकर तिल, वस्त्र, अन्न और गौ–दान कर अक्षय पुण्य प्राप्ति होती की कामना की।

राप्ती तट पर श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर पितरों का तर्पण भी श्रद्धा के साथ किया। राप्ती तट पर काफी संख्या में महिलाओं और पुरुषों के साथ बच्चे भी स्नान के लिए आए थे। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर नगर निगम की ओर से बैरिकेडिंग भी किया गया था। राप्ती तट पर काफी संख्या में पूजा पाठ की सामग्री बिक्री करने वाली दुकानें सजी थी। इसके अलावा श्रद्धालुओं ने प्रसाद भी खरीदा। बच्चों के खिलौने, सिंगार प्रसाधन की दुकानें भी लगी थी जिससे मेला का दृश्य उपस्थित था। सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरु था यह सिलसिला सुबह 9.25 बजे तक जारी रहा। इसके पूर्व नगर निगम ने घाट पर साफ सफाई भी किया था, बावजूद इसके कई स्थानों पर पड़ा कचरा श्रद्धालुओं के लिए मुश्किलें पैदा कर रहा था।

अयोध्या की भव्यता देख निहाल हुईं नेपाल की सबसे कम उम्र की महिला सांसद, सीएम योगी व मोदी का किया तारीफ

संवाददाता–अयोध्या। नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की सबसे कम उम्र की सांसद विनीता कटायत परिवार के साथ प्रयागराज में महाकुंभ में स्नान कर रामलला का दर्शन करने अयोध्या पहुंचीं। रामलला का दर्शन करने के बाद मां सरयू का भी दर्शन किया। विनीता यहां की भव्यता को देखकर अयोध्या की तारीफ किए बिना नहीं रह पाईं। यही नहीं उन्होंने सीएम योगी और पीएम मोदी की भी तारीफ की। दर्शन करने की बाद वे लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात भी करेंगी। नेपाल और भारत के संबंधों के साथ नेपाल और उत्तर प्रदेश के संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में भी बातचीत होगी। उन्होंने कहा कि प्रयागराज के महाकुंभ में थोड़ी बहुत दिक्कतें आई हैं। इस कारण से सीएम योगी महाकुंभ की निगरानी कर रहे हैं लेकिन उनकी मुलाकात होगी। उन्होंने तारीफ करते हुए कहा कि जिस तरह से सीएम योगी खुद महाकुंभ की निगरानी कर रहे हैं, यह वाकई में काबिले तारीफ है जिस तरह से भारत सरकार और यूपी सरकार ने अयोध्या में व्यवस्थाएं की हैं, वह बहुत ही खूबसूरत है। लोग यहां आएं, रामलला के दर्शन करें और नेपाल के जनकपुर भी आएं। विनीता ने कहा कि मित्र राष्ट्रों से और मित्रता बढ़ाई जाए। इसके लिए मैं पहल कर रही हूं। वैसे भी भारत और नेपाल का प्राचीन और सांस्कृतिक संबंध रहा है। सरयू नदी में आचमन भी किया। यह वही सरयू हैं जो नेपाल से आई हैं। मुझे बड़ा गर्व महसूस होता है कि मैं जहां की रहने वाली हूं यह नदी वहीं से आई है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश और नेपाल के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। यह संबंध और कैसे मजबूत हो सकता है। इस पर भी सीएम योगी से बातचीत होगी। प्रयागराज के महाकुंभ की व्यवस्थाओं को लेकर सीएम योगी को धन्यवाद भी देना है क्योंकि महाकुंभ में केवल भारत के ही लोग नहीं नेपाल के लोग भी आते हैं। इस व्यवस्था को लेकर उन्हें धन्यवाद भी देना है।

महाकुंभ भगदड़ में गोरखपुर की महिला समेत दो की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर से प्रयागराज मौनी अमावस्या के दिन अमृत स्नान का हिस्सा बनने गई एक महिला समेत दो लोगों की भी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि देर रात महाकुंभ परिसर में भगदड़ के दौरान दोनों चपेट में आ गए थे। दोनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान खजनी थानाक्षेत्र के उनवल की नगीना देवी (61) और वार्ड नंबर चार के पन्ने निषाद (61) के रुप में हुई है। उनवल इलाके से एक बोलेरो को बुक कर 10 लोग गए थे कुंभ स्नान करने गए थे। सूचना के बाद मृतकों के परिजन प्रयागराज रवाना हो गए है।

जमीन के नाम पर रुपये लेकर हड़पने का आरोप

संवाददाता–गोरखपुर। थाना क्षेत्र के जंगल कौड़िया व नयागांव के दो लोगों से जमीन रजिस्ट्री बैनामा करने के नाम पर लगभग नौ लाख रुपये लेकर हड़पने कर मामला सामने आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, पीपीगंज थाना क्षेत्र के जंगल कौड़ियां निवासी कमलेश यादव व नयागांव निवासी मुशीर अहमद का आरोप है कि उसने जमीन के नाम पर लगभग नौ लाख रुपये दो लोगों ने लिया। जमीन रजिस्ट्री करने के लिए खाते में रुपये लेने के बाद भी जमीन नहीं दे रहे हैं। रुपये वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील
कायमी अपील सं0– /2024
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
गुलाब चन्द्र
बनाम
राम मगन
1. राममगन पुत्र टीकी निवासी ग्राम इटैली तप्पा पिलाई परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 31–01–2025
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 31 महीना 01 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजवीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
धारा 225 च0 उ0प्र0रा0संहिता2006
अदालत– श्रीमान जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
रमेश चन्द्र
बनाम
फूलचन्द्र आदि
1. फूलचन्द्र 2. अवधेश चन्द्र 3. रवि चन्द्र 4. उमेश चन्द्र पुत्रगण परशुराम लाल 5. शिसिर कुमार 6. अखिलेश चन्द्र पुत्रगण सुरेशचन्द्र निवासी मौजा पियारेपुर तप्पा चरकौला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 31–01–2025
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 31 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सरुश हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 407/1978
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
त्रिशूलधारी
बनाम
रामचन्दर आदि
36. मन्नो देवी बेवा देवी प्रसाद 37. गणेश 38. दिनेश 39. महेश 40. सुरेश 41. गंगासरन पुत्रगण देवी प्रसाद 42. कन्हैया लाल पुत्र रामनरेश शुक्ल 43. नन्दलाल पुत्र धिराऊ 44. आत्मा चरन पुत्र उदयराज प्रसाद 45. राज बहादुर पुत्र लामालूम 46. अब्दुल रज्जाक पुत्र अब्दुल करीम 47. शिव बालक पुत्र भगवान दास 48. बाकर अली पुत्र जाफर अली 49. गुरुवलमल्ल पुत्र नन्दूमल्ल साकिनान मौजा बस्ती खास मोहल्ला रोडवेज चौराहा गांधी नगर बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 03–02–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सरुश हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com